पुलिस मुख्यालय भोपाल का आदेश धनपुरी के सी.एम ओ के प्राइवेट कार लगें वाहन पर नहीं लागू होता है

पुलिस महक में के लिए धनपुरी।

शहडोल-घनश्याम शर्मा (अजय उजाला)। बज रहा हुडर धनपुरी क्षेत्रों शहडोल जिले से बड़ी खबर है हाल ही में अभी पुलिस मुख्यालय के आदेश पारित हुआ है कि सभी नेता मंत्रियों के हुटर निकाला जाएं लेकिन शहडोल जिले के धनपुरी नगर पालिका क्षेत्र में नगरीय प्रशासन खुद ही अपने प्राइवेट वाहनों पर हुटर लगाकर घुम रहे हैं। धनपुरी सी.एम ओ.खुद ही नियमों की धज्जियां उड़ा रहे है आखिरकार सी.एम.ओ के पद पर रहकर क्या हुटर का उपयोग किया जा सकता है अगर नहीं किया जा सकता तो स्थानीय पुलिस प्रशासन इस पर क्यों कावर्वाही नहीं कर रही है यह एक प्रश्न चिन्ह है क्षेत्रीय

भाजपा की नवनियुक्त जिलाध्यक्षा ज्योति सैनी का कार्यकर्ताओं ने किया भव्य स्वागत

कैथल-कृष्ण प्रजापति (अजय उजाला)। भारतीय जनता पार्टी की नव नियुक्त जिलाध्यक्षा ज्योति सैनी का भाजपा कार्यकर्ताओं एवं समथर्कों ने गमजोशी से स्वागत किया। जिलेभर से आए कार्यकर्ताओं ने उन्हें फूलों के बुके भेंट कर शुभकामनाएं दीं और उनके नेतृत्व में पार्टी को और मजबूत करने का संकल्प लिया। इस अवसर पर ज्योति सैनी ने सभी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि भाजपा एक विचारधारा आधारित संगठन है, जो राष्ट्रवाद, विकास और सबका साथ-सबका विकास के सिद्धांत पर काम करता है। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ता ही पार्टी की असली ताकत हैं, और उनके सहयोग से भाजपा को और अधिक ऊंचाइयों तक पहुंचाया जाएगा। भव्य स्वागत समारोह के दौरान जिले के कई वरिष्ठ भाजपा नेता, पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित रहे। सभी ने ज्योति सैनी के नेतृत्व में संगठन को मजबूत करने की उम्मीद जताई और आगामी चुनावों में भाजपा को विजय दिलाने का संकल्प लिया।

सांप्रदायिक सद्भाव और सांझा सांस्कृतिक विरासत का प्रतीक है रमजान : मौलाना

कैथल-कृष्ण प्रजापति (अजय उजाला)। जमीअत उलेमा ऐ हिन्द जिला प्रधान मौलाना मोहम्मद सैयदूर रहमान ने कहा कि इस्लाम का सबसे पवित्र महीना रमजान केवल उपवास और इबादत का समय नहीं है, बल्कि यह सांप्रदायिक सद्भाव, शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व और सांझा सांस्कृतिक विरासत का प्रतीक भी है। दुनियाभर में लाखों मुसलमान इस महीने को आत्म-अनुशासन, भक्ति और आध्यात्मिक उन्नति के रूप में मनाते हैं। उपवास के जरिए वंचितों के प्रति सहानुभूति बढ़ती है, वहीं जकात (दान) का अभ्यास समाज में आपसी सहयोग और उदारता को प्रोत्साहित करता है। रमजान के दौरान परिवार, पड़ोसियों और दोस्तों के साथ इफ्तार सांझा करने की परंपरा सामाजिक संबंधों को मजबूत करती है। भारत सहित कई देशों में मंदिरों, गुरुद्वारों और चर्चों द्वारा भी इफ्तार का आयोजन किया जाता है, जिससे विभिन्न धार्मिक समुदायों के बीच सौहार्द और एकजुटता को बढ़ावा मिलता है। कई गैर-मुस्लिम भी अपने मुस्लिम मित्रों और सहकर्मियों के साथ रोजा रखते हैं या इफ्तार में शामिल होते हैं, जिससे आपसी समझ और मेलजोल को बल मिलता है। मौलाना ने कहा कि यह महीना सांस्कृतिक रूप से भी महत्वपूर्ण है। विभिन्न देशों में रमजान से जुड़ी परंपराएं-जैसे विशेष व्यंजन बनाना, लोक गीत गाना और बाजारों की रौनक-एक समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को जीवंत बनाए रखती हैं। पुरानी दिल्ली, हैदराबाद, काहिरा और इस्तांबुल जैसे शहरों में रमजान के दौरान खास बाजार सजते हैं, जो इस महीने की आध्यात्मिकता के साथ-साथ उसकी सांस्कृतिक सुंदरता को भी दर्शाते हैं। रमजान का मूल संदेश प्रेम, करुणा और भाईचारे को अपनाने का है। उन्होंने कहा कि यह महीना सिखाता है कि मतभेदों से ऊपर उठकर मानवता को प्राथमिकता दी जाए। मौलाना ने बताया कि जैसे ही रमजान का चाँद चमकता है, यह पूरी दुनिया के लिए शांति, समावेशिता और साझा सांस्कृतिक विरासत का संदेश लेकर आता है।

क्षेत्रीय सांसद, के कड़े विरोध के स्वरूप, गाडरवारा में जंक्शन बनने का सपना टूटा दोनों जिलों में मंत्रियों की भरमार के बाद भी एक जिला पूर्णत: रेल पटरियों से वंचित

नरसिंहपुर-बद्री प्रसाद कौरव (अजय उजाला)। गाडरवारा में 2016-17 में पूर्व केंद्रीय मंत्री सुषमा स्वराज जी की पहल पर जबलपुर- गाडरवारा- बुधनी- इंदौर रेल मार्ग लगभग 4200 करोड़ रुपए की लागत से बनने के लिए रेल बजट में स्वीकृत हुआ था। जिससे गाडरवारा में जंक्शन बनने की उम्मीद जागी थी। इससे गाडरवारा क्षेत्र के साइखेड़ा से लोगों के साथ उदयपुरा- रायसेन के लोगों को भी सीधे रेल लाइन की सुविधा होने की आस जागी थी। परंतु पूर्व के सांसद या वर्तमान सांसद दोनों को गाडरवारा से जंक्शन बनने की गहरी आपत्ति थी। जिसके लिए उन्होंने संसद में भी इसके लिए आवाज उठाई थी। यही कारण है कि, आपसी सहमति नहीं होने के कारण विगत 8-9 वर्षों में बजट में गाडरवारा बुधनी मार्ग के लिए कोई राशि स्वीकृत नहीं हुई। जबकि बुधनी इंदौर रेल मार्ग के लिए लगातार राशि स्वीकृत हुई तथा वहां कार्य को गति देने के लिए लगातार सतत प्रक्रिया चल रही है। और अब रेल मंत्री ने स्पष्ट कर दिया कि अब गाडरवारा से बुधनी मार्ग नहीं बनाया जाएगा। इसके लिए लगातार विगत 5-6 वर्षों से जनता में आस थी कि वर्षों पूर्व का यह वादा अब साकार रूप ले सकता है किंतु वतर्मान के जनप्रतिनिधियों की तानातनी एवं आपसी महत्वाकांक्षाओं के कारण यह सपना अब अधूरा ही रह जायेगा नरसिंहपुर जिले में दो-दो मंत्रियों के पास 4 मंत्रालय होने बाद इतनी बड़ी परियोजना का रद्द हो जाना यह दर्शाता है कि राज्य सरकार से केंद्र तक उनका कद कितना बचा है वहीं रायसेन जिले में भी मप्र शासन में आवश्यक जिम्मेदारी सम्हाल रहे मंत्री जी भी आने जिले में स्टेशन तो छोड़िए पटरियों की सौगात तक नही दे पाए हैं, तीन मंत्रियों एवं पार्टी में प्रदेश के किसानों के प्रमुख स्थानीय सांसद का यह बेरुखापन जनता के लिए बडा ही गैरजिम्मेदाराना है।

विश्व गौरैया दिवस पर युवाओं ने पेड़ पर जलपात्र सकोरे बांध गौरैया संरक्षण का दिया संदेश

शहडोल-घनश्याम शर्मा (अजय उजाला)। उमरिया। भीषण गर्मी में पानी की कमी से जहां लोग बेहाल हैं, वहीं पशु-पक्षी, मवेशियों को भी समस्या हो रही है। बेजुबान पक्षियों एवं मवेशियों की मदद हेतु युवाओं की टोली युवा टीम उमरिया द्वारा विश्व गौरैया दिवस जलपात्र सकोरे रख गौरैया संरक्षण का संदेश दिया गया। पानी की कमी के चलते ही हमारी भारतीय चिड़िया गौरैया का अस्तित्व खतरे में आया है, बेजुबान पक्षियों की पानी न मिलने से मौत हो जाती है। हम जरा सा समय निकालकर यदि इन पक्षियों की चिंता कर उनके लिए जलपात्र भरेंगे तो उनकी जान बचेगी। पक्षी मित्र हिमांशु तिवारी ने कहा कि पानी अनमोल है, इसके बिना जीवन संभव नहीं है। दिनों दिन बढ़ती गर्मी के चलते आज बेजुबान पशु-पक्षियों के समक्ष दाना और पानी की समस्या आ गई है। हम इंसान को भूख और प्यास की तड़प व्याकुल कर देती है, तब यह अंदाजा लगाया जा सकता है कि बेजुबान पशु-पक्षियों की क्या हालत होती होगी। उन्होंने कहा कि गर्मी के चार महीने हम उनके लिए अपने घर और आसपास दाना-पानी की व्यवस्था कर दें, तो इससे बड़ा पुण्य का और कोई दूसरा काम नहीं होगा। बेसहारा मवेशियों के लिए ऐसी गर्मी में पानी की व्यवस्था करना बहुत जरूरी है क्योंकि यह मूक पशु प्यासे रहकर कभी कभी तड़पते रहते हैं और मजबूरी में इनको नालियों का पानी पीना पड़ता है। आमजन को भी इस अभियान से जोड़ने के लिए उन्हें मिट्टी से बने पात्र का वितरण किया जा रहा है। उन्होंने लोगों से पक्षियों को भीषण गर्मी से बचाने के लिए दाना-पानी रखने की अपील कर कहा कि घर-आंगन चहकाने वाली गौरैया का संरक्षण हम सभी का दायित्व है। घर में गौरैया के लिए घोंसला, दाना-पानी की उपलब्धता पुण्य कार्य है। पर्यावरण असंतुलन और आधुनिक तकनीक के दौर में मासूम जीवों का अस्तित्व संकट में न आए इसलिए आइए इसके लिए प्रयास का संकल्प लें। इस दौरान पक्षी मित्र हिमांशु तिवारी, पक्षी मित्र खुशी सेन, खुशबू बर्मन, महक सोनी, सुनैना प्रजापति, व उपस्थित रहे।

जीवन रक्षक दल करेगा समाजसेवा में उत्कृष्ट कार्य करने वालों का सम्मान

कैथल-कृष्ण प्रजापति (अजय उजाला)। समाजसेवा के क्षेत्र में निःस्वार्थ रूप से कार्य करने वाले व्यक्तियों को पहचान दिलाने के लिए कैथल जीवन रक्षक दल एक विशेष सम्मान समारोह का आयोजन करने जा रहा है। इस संस्था ने पिछले 8 वर्षों में कई समाजसेवी कार्य किए हैं और अब उन गुमनाम नायकों को सामने लाने का बीड़ा उठाया है, जो समाज के लिए बिना किसी स्वार्थ के कार्य कर रहे हैं।

संस्था के पदाधिकारियों प्रवीण सेगा, राजू डोहर, सुरेंद्र अरोड़ा, सचिन धमिजा आदि ने बताया कि जो भी व्यक्ति या महिला समाजसेवा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य कर रहे हैं, लेकिन अभी तक उन्हें कोई पहचान नहीं मिली, ऐसे लोगों को जीवन रक्षक दल सम्मानित करेगा। संस्था की टीम ऐसे समाजसेवियों के कार्यों को सार्वजनिक मंच पर लाकर समाज के सामने प्रस्तुत करेगी, ताकि अन्य लोग भी प्रेरित हों और समाजसेवा को बढ़ावा मिले। संस्था ने समाजसेवा करने वाले व्यक्तियों से अनुरोध किया है कि अगर उन्होंने कोई सराहनीय कार्य किया है, तो उससे जुड़े दस्तावेज या प्रमाण के साथ संस्था से संपर्क करें, ताकि उनका नाम इस सम्मान समारोह में जोड़ा जा सके। इस भव्य कार्यक्रम की तैयारियां जोरों पर हैं और यह समाजसेवा के क्षेत्र में एक ऐतिहासिक कदम साबित होगा।

आरोपी के विरूद्ध धोखाधड़ी का मामला दर्ज

स्कूली बच्चों के भविष्य के साथ खिलबाड़ करने वाला शातिर ठग गाडरवारा पुलिस की गिरफ्त में, आरोपी परीक्षा एवं प्रवेश शुल्क ऑनलाइन जमा करने के नाम पर करता था ठगी

नरसिंहपुर-बद्री प्रसाद कौरव (अजय उजाला)। नरसिंहपुर पुलिस को प्राथीं अखिलेश जैन पिता रतन चंद्र जैन प्राचार्य, पी.जी. कॉलेज, गाडरवारा एवं विभिन्न माध्यमों से सूचना प्राप्त हुयी कि आरोपी वैभव जैन पिता बसंत जैन, उम्र 32 वर्ष, निवासी शिवाजी वार्ड, गाडरवारा द्वारा क्षेत्र में अरिहंत साइबर कैफे का संचालन गाडरवारा में किया जाता है, आरोपी के द्वारा पीजी कॉलेज गाडरवारा के छात्र-छात्राओं के द्वारा उसके साइबर कैफे के माध्यम से जमा किए जाने वाली फीस एवं छात्रवृत्ति की राशि में धोखाधड़ी कर मात्र 1 फीस पीजी कॉलेज के खाते में जमा की जाकर क्यूआर कोड जनरेट किया जाकर शेष राशि हड़प लेता है। इस प्रकार उसके द्वारा पीजी कॉलिज के छात्र-छात्राओं के साथ धोखाधड़ी कर उनकी फीस की कुल राशि ? 2,18,04 की ठगी की गई है। सूचना प्राप्त होते ही पुलिस द्वारा तत्काल कावर्वाही करते हुये स्कूली बच्चों के भविष्यके साथ खिलवाड़ करने वाले शातिर ठग वैभव जैन के विरूद्ध अपराध क्रमांक 342/25 धारा-318 (3), 336 (3), 338 बीएनएस पंजीवद्ध किया जाकर आरोपी को अभिरक्षा में लिया गया है स्कूली बच्चों के भविष्य के साथ खिलवाड़ करने वाले शातिर ठग के संबंध में सूचना देने हेतु नरसिंहपुर पुलिस स्थानीयजनों एवं मीडिया से जुड़े लोगों का आभार व्यक्त करती है। नरसिंहपुर पुलिस की उक्त कावर्वाही से स्कूली बच्चों के भविष्य के साथ खिलवाड़ करने वालों पर अंकुश लगाने में सफलता मिलेगी।

Artificial Intelligence: The Invisible Force Reshaping Our Lives

Artificial Intelligence: The Invisible Force Reshaping Our LivesArtificial Intelligence (AI) has rapidly evolved from a niche research field to a driving force behind modern automation, decision-making, and customer interactions. From chatbots answering customer queries to AI-powered business intelligence tools, AI has quietly embedded itself into daily life. At the forefront of this change is Amit Agarwal, a Principal Applied Scientist at Oracle Cloud Infrastructure (OCI, Oracle), whose research in multimodal & multilingual AI, large language models, and enterprise AI applications is defining the next generation of intelligent systems. Agarwal's work has been instrumental in advancing AI models that understand and generate human-like responses across languages and modalities. His contributions to multilingual AI and enterprise automation solutions have helped companies deploy more efficient, scalable, and inclusive AI systems. As a peer reviewer for top-tier AI conferences such as NeurIPS, NAACL, AAAI, and ACL, he plays a crucial role in evaluating groundbreaking research and steering the direction of AI innovation. His mentorship at MIT, UT Austin, and Great Learning has influenced over 400 students, equipping the next generation of AI practitioners with industry-relevant expertise.Beyond academia, Agarwal's impact is evident in real-world AI applications. His contributions to AI-powered document understanding, intelligent automation, and conversational AI are being widely used across industries, enabling businesses to enhance customer interactions, automate complex workflows, and improve accessibility. His research is also shaping AI ethics and responsible AI deployment, ensuring that bias mitigation and trustworthiness remain central to AI's evolution."AI is no longer a futuristic concept—it is woven into everyday life, impacting businesses, education, and even personal interactions," says Agarwal. "The challenge is no longer about building AI, but about making it more reliable, scalable, and beneficial for everyone."As AI continues to dominate technological innovation and enterprise strategy, experts like Amit Agarwal are leading the charge in shaping AI's ethical, scalable, and global adoption. His pioneering work in AI research, mentorship, and enterprise solutions cements his position as a key thought leader in the AI domain, ensuring that artificial intelligence remains a force for progress, efficiency, and inclusion.

लालपुर के नौखडिया में रेत का अवैद्य कारोबारी बुढार थाना क्षेत्रों नहीं थम रहा रेत का अवैध कारोबार

शहडोल-घनश्याम शर्मा (अजय उजाला)। लालपुर के नौखडिया क्षेत्र के रेत माफिया को अधिकारियों का खुला संरक्षण कार्यवाही हो तो जाने इस रेत कारोबारी के ऊपर वही रेत का अवैध उत्खनन करते नहीं रहा डर प्रशासन का शहडोल जिले से बड़ी खबर है जहां पर इन दिनों रेत कारोबारी रेत माफिया सातवें आसमान पर प्रशासन को ठेंगा दिखाते दिख रहे हैं बुढार थाना क्षेत्रांतर्गत सुनहरी रेत का अवैध उत्खनन एवं परिवहन कारोबार बदस्तूर जारी है। जिला खनिज विभाग एवं स्थानीय बुढार पुलिस द्वारा थानाक्षेत्र अन्तर्गत रेत के अवैध कारोबार पर अंकुश लगने कि चाहे जितना भी दावा कर स्वयं का पीठ खुद ही थपथपा लें। किन्तु वास्तविकता के चश्में से अगर निहारा जाए तो मालुमात होता है कि रोजाना सुबह दिनदहाड़े दिन के उजाले पश्चात से रात के अंधियारों तक में बेखौफ परिवहन करने वाली अवैध रेतों से भरी वाहनें। सुबह, दोपहर, शाम, रात चारों पहर में रेत का अवैद्य उत्खनन चल रहा है रात दिन के उजालों में भी बेखौफ परिवहन करने लगे हैं क्षेत्रों में सुबह थाना क्षेत्र कि नदियों के सड़कों में रेत का परिवहन करने दौरान स्थानीय किसी शख्स द्वारा उक्त वाहन का वीडियो बनाकर पीट कर दिया गया। जिसके बाद से वीडियो अब दावों के बाद भी थानाक्षेत्र में तेजी से वायरल होने लगा है। वही थाना क्षेत्र में बुढार पुलिस द्वारा की जा रही तरह-तरह के खोखले दावों पर लोगों कि प्रतिक्रियाएं भी तरह-तरह का रूप अख्तियार कर नगर भर में सुखिर्यां बटोर रहा है। जिसे सकारात्मक दृष्टिकोण से खनिज एवं पुलिस अमला के लिए कदापि उचित नहीं कहा जा सकता है। खोखले दावों पर उठने, लगे सवाल एक तरफ बुढार पुलिस द्वारा, थानाक्षेत्र में जहां सभी तरह के अपराधी पर अंकुश लगाकर कानून व्यवस्था को स्थापित करने कि बात कही जाती है। वहीं दूसरी तरफ नगर कि गलियों में बेखौफ दौड़ती रेत से भरी गाड़ियों सहित भिन्न-भिन्न संचालित अवैध कारोबार इनके दावों को खोखला साबित कर रहा है। जिससे इनके कर्तव्य परायणता पर भी गम्भीर सवाल उत्पन्न हो रहे हैं।

जिला प्रशासन को लेना

चाहिए संज्ञान स्थानीय पुलिस प्रशासन के दूरियां पैदा कर देगा, जिस गति के साथ अवैध कारोबार फल-फूल रहा है। उससे अब क्षेत्रीय लोगों को भी यकीन हो चला है। कि थाना क्षेत्र में बढ़ते अपराधों के ग्राफ पर अंकुश लगाना स्थानीय प्रशासन के बल बूते कि बात नहीं है। लिहाजा आम नागरिक एवं पुलिस अमला के मध्य स्थापित तालमेल व विश्वसनीयता धीरे-धीरे ठण्डे बस्ते में पड़ने लगा है। जिला क्षेत्र के कानून-व्यवस्था को दुरुस्त बनाए रखने कि जिम्मेदारी उठाने वाले उच्च अधिकारियों द्वारा समय रहते अगर ठोस कदम नहीं उठाया गया। तो निश्चित तौर पर इसे प्रदेश सरकार के निष्पक्ष कार्यप्रणाली व्यवस्था पर कुठाराघात माना जाएगा। वहीं दोहरी प्रशासनिक कार्यशैली पर लोगों में उपजता अविश्वसनीयता का ग्राफ भी धीरे-धीरे गिरते हुए। प्रशासन एवं आमजनमानस के मध्य दुरियां पैदा कर देगा।